Hindustan, 17.03.2019, Pg. 20

आईआईएम के दीक्षांत समारोह में 268 डिग्रियां बंटी

रांची | प्रमुख संवाददाता

भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), रांची का आठवां दीक्षांत समारोह शनिवार को खेलगांव स्थित डॉ रामदयाल मुंडा कला भवन के सभागार में आयोजित किया गया। इसमें बतौर मुख्य अतिथि केंद्रीय नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री जयंत सिन्हा मौजूद थे। इसमें सत्र 2017-19 की 268 डिग्रियां बंटी। इनमें एमबीए की- 179, एचआरएम की- 62, एक्जीक्यूटिव पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट (पीजीईएक्सपी) की- 27 डिग्रियां/डिप्लोमा शामिल हैं। इसके अलावा आठ पीएचडी उपाधि प्रदान की गई।

समारोह की शुरुआत शैक्षणिक शोभा यात्रा से हुई। इसमें जयंत सिन्हा के अलावा संस्थान के बोर्ड ऑफ डारेक्टर्स के सदस्य, निदेशक डॉ शैलेंद्र सिंह और सभी विभागों के अध्यक्ष ने हिस्सा लिया। इसके बाद निदेशक डॉ शैलेंद्र सिंह ने संस्थान की उपलब्धियां गिनाई। उन्होंने बताया कि सत्र 2017-19 के 8.75 से अधिक सीजीपीए प्राप्त करनेवाले चार छात्रों को रोल ऑफ ऑनर, दिया गया। साथ ही, संस्थान के शिक्षकों के 30 शोधपत्रों का प्रकाशन राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में हुआ। उन्होंने बताया कि आईआईएम रांची की ओर से कई पहल की जा रही है। इसके तहत अटल बिहारी वाजपेयी सेंटर ऑन लीडरशिप, पॉलिसी एंड गवर्नेंस और बिरसा मुंडा सेंटर फॉर ट्राइबल स्टडीज की शुरुआत हुई है, जो आदिवासी समुदायों के बीच कौशल विकास पर केंद्रित है। इसके अलावा संस्थान के स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम के लिए 8 विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ समझौता हुआ है। संस्थान का प्लेसमेंट भी शत-प्रतिशत रहा। उन्होंने आईआईएम के निर्माणाधीन कैंपस का जिक्र करते हुए कहा कि इसके लिए एचईसी क्षेत्र में 60.4 एकड़ जमीन मिली है, 2021 में होनेवाला 10वां दीक्षांत समारोह नए कैंपस में ही आयोजित होगा।

मुख्य अतिथि जयंत सिन्हा ने छात्रों और उनके अभिभावकों व शिक्षकों को बधाई दी। इसके बाद उन्होंने प्रबंधन के विद्यार्थियों को भारतीय अर्थव्यवस्था की उपलब्धियां गिनाईं। उन्होंने कहा सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के कारण, भारत पिछले कुछ वर्षों में तेजी से आगे बढ़ा है। जीडीपी के मामले में भारत तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में खड़ा है। उन्होंने कहा कि हम 3-4 प्रतिशत की मुद्रास्फीति दर के मुकाबले 7 प्रतिशत की दर से बढ़ रहे हैं। उन्होंने उत्पादक क्षमता बढ़ाने के लिए सरकार की ओर से किए गए संरचनात्मक सुधारों को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने चार प्रमुख संरचनात्मक सुधारों के बारे में सबका ध्यान आकृष्ट किया, कहा कि इन पर भारतीयों को ध्यान देना चाहिए- मौद्रिक नीति, मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण, जिसका हमारे जीवन पर सीधा प्रभाव पड़ता है, अन्य प्रमुख संरचनात्मक सुधार, जो ईएमआई को कम करने और जीएसटी की शुरुआत करने के लिए अग्रणी हैं, अग्रणी कर पर अधिक कर नहीं। उन्होंने कहा कि कर चोरी कम हुई है और कर भुगतान क्षमता में वृद्धि हुई है, साथ ही कर संग्रह में सुधार हुआ है।

उन्होंने कनेक्टिविटी और टेलीकॉम में दो अन्य बड़े संरचनात्मक सुधारों उल्लेख किया। कहा कि देश में केवल 70 हवाई अड्डे थे, लेकिन मोदी सरकार में जब उन्होंने पदभार संभाला, उसके बाद निर्धारित सेवाओं के साथ 100 हवाई अड्डे हैं। सरकार ने पांच वर्षों में एक वर्ष में 5-10 हवाई अड्डे जोड़े और रांची हवाई अड्डे की उड़ानों की संख्या 32 तक बढ़ा दी गई है।

आईआईएम के गवर्निंग बॉडी के अध्यक्ष प्रवीण शंकर पंड्या ने देश की क्षमता के बारे में बात की। उन्होंने बताया हम विनिर्माण में पिछड़ रहे हैं, जिससे आयात पर हमारी निर्भरता बढ़ रही है। चीन इस क्षेत्र में हावी है। कहा कि भारतीय उद्योग को विनिर्माण क्षेत्र में अवसर विकसित करने की आवश्यकता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि युवा दिमाग को उद्यमी बनना चाहिए और छात्रों को अपने लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रेरित करना चाहिए। साथ ही, यह सुझाव भी दिया कि मुकाबला हमेशा खुद से होना चाहिए।

डॉ रामदयाल मुंडा कला भवन सभागार में आयोजित आईआईएम के दीक्षांत समारोह में केंद्रीय नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री जयंत सिन्हा ने विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की।

इन मेधावियों को पुरस्कार

- एमबीए- पहले पुरस्कार के तहत अध्यक्ष पदक और योग्यता प्रमाण पत्र तरुण चौधरी को मिला। दूसरे स्थान के लिए निदेशक पदक और योग्यता प्रमाण पत्र- अंकित माड़डा और तीसरे स्थान के लिए चेयरपर्सन पदक और योग्यता का प्रमाण पत्र- आयुषी अग्रवाल को मिला। चौथे व पांचवे स्थान के लिए क्रमशः बैद विनित जतनलाल और दीपक वर्मा बुक प्राइज विजेता बने।
- एमबीए- एचआरएम में पहले स्थान के लिए अध्यक्ष पदक और योग्यता प्रमाण पत्र एमवीएस सुधीर को मिला। दूसरे स्थान पर रहे जॉय कुंडू को निदेशक पदक व तीसरे स्थान पर रहीं साक्षी गुप्ता को चेयरपर्सन पदक और योग्यता प्रमाण पत्र मिला। चौथे व पांचवे स्थान पर क्रमशः- विशाखा भारद्वाज पी और ऐश्वर्या श्रीनिवासन रहीं।
- प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यकारी कार्यक्रम (पीजीईएक्सपी) में- पहले स्थान पर- सुजीत कुमार, दूसरे स्थान पर- अजीत कुमार पात्रा व तीसरे स्थान पर- आराधना सुमन रहीं। वहीं, चौथे व पांचवें स्थान पर क्रमशः नवीन ठाकुर व अखिलेश कुमार उपाध्याय रहे।

सौरभ दास को मंच से उतरकर दी डिग्री

एमबीए- मार्केटिंग एंड स्ट्रेटेजी में डिग्री प्राप्त करनेवाले निःशक्त सौरभ दास का सबने तालियों से हौसला बढ़ाया। सौरभ को उपाधि देने के लिए जयंत सिन्हा, निदेशक शैलेंद्र सिंह और आईआईएम गवर्निंग बॉडी के अध्यक्ष प्रवीण शंकर पंड्या मंच से नीचे उतर आए।

15 मेधावियों को किया गया पुरस्कृत

08 विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ संस्थान के स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम के लिए समझौता हुआ है

2017-19 के 8.75 से अधिक सीजीपीए प्राप्त करनेवाले चार छात्रों को रोल ऑफ ऑनर, दिया गया

मेधावियों ने लक्ष्य साझा किया

नितिन वर्मा- पीएचडी पूरा करने के बाद अब आगे का लक्ष्य युवाओं का सशक्तीकरण और देश निर्माण में योगदान देना है। महंगी शिक्षा अगर वंचित वर्ग के काम आए, तभी उसकी सार्थकता है।

सौरव स्नेहव्रत- स्ट्रैटेजिक मैनेजमेंट में पीएचडी की है। वर्तमान में एक्सएलआरआई, जमशेदपुर में सहायक प्रोफेसर के रूप में कार्यरत हूं। एक शिक्षक के रूप में युवाओं का सही मार्गदर्शन करना लक्ष्य है।

अनिन्दिता घोष- मेरी पीएचडी एक संस्थान के एचआर की कार्यप्रणाली के लिए न्यरो साइंस के इस्तेमाल पर आधारित है। आगे का लक्ष्य अमेरिका के किसी प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय से डीलिट करना है।

राजीव कुमार- इंफॉर्मेशन सिस्टम में पीएचडी की है। एक शोधकर्ता और शिक्षक के रूप में आगे काम करना चाहता हूं। विद्यार्थियों को मानवीय मूल्यों के साथ व्यावहारिक शिक्षा कैसे मिले, यह लक्ष्य होगा।

प्रदीप कुमार- मेरा विषय हेल्थ केयर सर्विसेस रहा। झारखंड और जनस्वास्थ्य के क्षेत्र में अपनी सेवा देना चाहता हूं। यह एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें बहुत ज्यादा काम करने की जरूरत है।

श्वेता शर्मा- फाइनांस में पीएचडी पूरी करने के बाद अब शिक्षिका के रूप में काम करना लक्ष्य है। अपनी पढ़ाई के दौरान जो सैद्धांतिक और व्यावहारिक अनुभव हुए, उन्हें अपने विद्यार्थियों में बांटना चहूंगी।

कौस्तन साहा- मेरा विषय स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट रहा। शिक्षक के रूप में समाज और देशनिर्माण में योगदान देना चाहता हूं। प्रबंधन ऐसा क्षेत्र है, जहां किताबी ज्ञान से अधिक व्यावहारिक पहलुओं को समझना जरूरी है।

खेलगांव स्थित डॉ रामदयाल मुंडा कला भवन परिसर में शनिवार को डिग्री लेने के बाद आईआईएम के विद्यार्थियों ने टोपी को हवा में उछाल अपनी खुशी का इजहार किया।